चित्रकूट 26 सितम्बर 2017 । परिश्रम और लगन के सामने सभी को नतमस्तक होना पडता है। इसका जीता जागता उदाहरण श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी डा0 बी0 के0 जैन हैं। इन्होने पिछले 50 साल से सदगुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुण्ड चित्रकूट के डायरेक्टर पद पर कार्य करते हुये अंधत्व के क्षेत्र में बहुत बडा योगदान दिया है। चित्रकूट जैसे अति पिछडे क्षेत्र में 20 विस्तरों वाले एक छोटे से अस्पताल से काम शुरु किया था आज यह चिकित्सालय दुनिया की नई टेक्नोलॉजी के रूप में एक मॉडल की तरह स्थापित है। इस चिकित्सालय में अंधत्व निवारण के लिये नवीनतम टेक्नोलॉजी एवं उपकरण यहां स्थापित हैं। यहां तक कि यहां पर देश–विदेश से चिकित्सक प्रशिक्षण लेने के लिये आते हैं और पारांगत होकर अपने देश में आकर अंधत्व के क्षेत्र में काम करते हैं। इसके लिये इन्हे लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड आई. आई. आर. एस. आई. (इन्ट्रा आकुलर इनप्लान्ट एण्ड रिफरेक्टिव सोसायटी ऑफ दिल्ली) ने दिनांक 23 सितम्बर को दिल्ली में अपनी एनुअल कान्फ्रेंस में दिया है। इस अवार्ड को कान्फ्रेंस के चीफ गेस्ट दिल्ली के उपराज्यपाल श्री अनिल वैजल ने साल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया ह। डा0 जैन ने इस अवार्ड को पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद बताया एवं सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत, सहयोग तथा सदगुरु परिवार के सभी सदस्यों को इसका श्रेय दिया है, मैं तो केवल निमित्त मात्र हूँ। परमपूज्य रणछोड़दास जी महाराज का सिद्धान्त ''भगवान पर भरोसा रखो, तुम सब निमित्त हो भगवान सब पूण करेंगे।'' सदगुरु परिवार भी इस उपलब्धि से अभीभूत है। यह डा0 बी0 के0 जैन की सकारात्मक ऊर्जा का परिणाम है। इन्होने इस संस्था को आम के बगीचे की तरह पाला है किन्तु फलों के रस का ज्ञान नहीं हैं ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने इसकी रक्षा के लिये इन्हे नियुक्त किया है फल खाने के लिये नहीं। आज भारत में ही नहीं विदेशों में भी इस संस्था के साथ डा0 बी0 के0 जैन को याद किया जाता है। सम्पूर्ण ट्रस्ट परिवार इनकी इस उपलब्धि पर गौरान्वित है।